भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1251** जिसका उत्तर
शुक्रवार, **09 फरवरी, 2024/ 20** माघ, 1945 (शक) को दिया जाना है

कार्गो सम्भलाई क्षमता में वृद्धि

1251. श्री राहुल रमेश शेवाले :
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे :
श्री चंद्र शेखर साहू :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का वर्ष 2047 तक अपने समुद्री और नदी पत्तनों पर कार्गो सम्भलाई क्षमता में वृद्धि करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या लक्ष्य प्राप्त किए गए हैं;

(ग) क्या भारतीय पत्तनों ने गत 10 वर्षों में दोहरे अंकों की वार्षिक वृद्धि हासिल की है और पोतों के लौटकर आने (शिप टर्नअराउंड) की समयावधि में कई विकसित राष्ट्रों को पीछे छोड़ दिया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) वर्तमान में पत्तनों की कुल क्षमता कितनी है और वर्ष 2047 तक इसमें मौजूदा क्षमता से कितनी अधिक वृद्धि होगी;

(च) क्या सरकार केन्द्र और राज्य सरकार के स्वामित्व वाले सभी पत्तनों पर हरित हाइड्रोजन केंद्र विकसित करने की योजना बना रही है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां। सरकार ने आधुनिकीकरण, यंत्रीकरण, डिजीटलीकरण, पत्तन क्लस्टरों के विकास, डुबावों को गहरा करने के लिए ड्रेजिंग तथा सड़क और रेल संपर्कता आदि के लिए अवसंरचना के विकास के माध्यम से पत्तनों की कार्गो संभलाई क्षमता को बढ़ाने पर अत्याधिक ज़ोर दिया है।

(ग) और (घ): विगत 10 वर्षों में भारतीय पत्तनों की अधिकतम वार्षिक वृद्धि वित्त वर्ष 2022-23 में 9.2% थी। विश्व बैंक की लॉजिस्टिक्स परफोर्मेंस इंडेक्स रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारतीय पत्तनों ने 0.9 दिनों का "टर्नअराउंड टाइम" प्राप्त किया है जो यूएसए (1.5 दिवस), यूएई (1.1 दिवस), सिगांपुर (1.0 दिवस), रूसी फेडरेशन (1.8 दिवस), मलेशिया (1.0 दिवस), आयरलैंड (1.2 दिवस), इंडोनेशिया (1.1 दिवस), न्यूजीलैंड (1.1 दिवस) तथा दक्षिण अफ्रीका (2.8 दिवस) से अधिक बेहतर है।

(ङ): भारतीय पत्तनों की वर्तमान क्षमता 2691 एमटीपीए है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा परिकल्पित मैरीटाइम अमृतकाल विज़न, 2047 के तहत भारतीय पत्तनों की कुल कार्गो हैंडलिंग क्षमता 10,000 एमटीपीए से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य है।

(च) और (छ): तीन महापत्तन अर्थात् गुजरात में दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण, तमिलनाडु में वी.ओ.चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण तथा ओडिशा में पारादीप पत्तन प्राधिकरण, इन पत्तनों को हाइड्रोजन हबों के रूप में विकसित करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

*****